भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3237
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 16 दिसंबर, 2024
25 अग्रहायण,1946 (शक)

पांडू पिंडारा (जींद) का विकास

3237. श्री सतपाल ब्रह्मचारी:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पांडू पिंडारा (जींद) महाभारत काल का एक महत्वपूर्ण स्थान है और यदि हां, तो क्या यह सांस्कृतिक विरासत है और लोगों की इसमें गहरी आस्था है;
(ख) यदि हां, तो क्या उक्त स्थान को विकसित किए जाने का प्रस्ताव है क्योंकि यह सांस्कृतिक विरासत और लोक आस्था का स्थल है; और
(ग) क्या उक्त स्थान को किसी मौजूदा योजना के अंतर्गत विकसित किया जा सकता है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) : पौराणिक कथा के अनुसार, जींद जिले में पांडू पिंडारा की पहचान ऐसी जगह से है जहां पांडवों ने अपने पूर्वजों का पिंड दान किया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने इस स्थल पर कोई पुरातात्विक अन्वेषण नहीं किया है।

(ख) और (ग) : पर्यटन मंत्रालय "तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक धरोहर संवर्धन अभियान" (प्रसाद) के अंतर्गत निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों और धरोहर गंतव्य स्थानों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है। प्रसाद स्कीम के अंतर्गत, हरियाणा में "माता मनसा देवी मंदिर और नाडा साहिब गुरूद्वारा का विकास" के लिए 48.53 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं।

*****